TITLE CODE:- UPHIN51504

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 236
दि. 27.12.2025,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

गुलामी की सोच से आजादी, जेन-ज़ी के हुनर पर भरोसा... वीर बाल दिवस पर पीएम मोदी ने कहा

नई दिल्ली (जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीर बाल दिवस के मौके गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों के बलिदान को याद करते हुए गुलामी की मानसिकता से मुक्ति का आ'ान किया. पीएम मोदी ने कहा कि देश अब अपने नायकों के शौर्य को सम्मान दे रहा है. उन्होंने ॠिल्ल और ॠिल्ल अ'स्र्ं को विकसित भारत का आधार बताते हुए आत्मनिर्भरता और राष्ट्रहित में योगदान का संदेश दिया.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 'वीर बाल दिवस' के मौके पर राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया. वीर बाल दिवस गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों-जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के अद्वितीय बलिदान को याद करने के लिए समर्पित है. 9 जनवरी, 2022 को गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व के अवसर पर, पीएम मोदी ने घोषणा की थी कि हर वर्ष 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाया जाएगा, ताकि साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह की शहादत को याद किया जा सके, जिनका अद्वितीय बलिदान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा.

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ने तय किया है कि गुलामी की मानसिकता से मुक्ति पानी ही होगी. अब हम भारतीयों के बलिदान, हमारे शौर्य की स्मृतियां दबेंगी नहीं. अब देश के नायक-नायिकाओं को हाशिये पर नहीं रखा जाएगा, और इसलिए 'वीर बाल दिवस' को हम पूरे मनोभाव से मना रहे हैं. गुलामी की मानसिकता से मुक्त होते हमारे देश में, भाषाई विविधता हमारी ताकत बन रही है. उन्होंने कहा, आपकी जनरेशन ही भारत को विकसित भारत के लक्ष्य तक ले जाएगी. मैं योग्यता, आपका आत्मविश्वास देखता हूं, समझता हूं और इसलिए आप पर बहुत भरोसा करता हूं.'

प्रधानमंत्री ने गुलामी वाली सोच से आजादी का आ'ान किया. उन्होंने कहा, 'मैकाले द्वारा रची गई साजिश को पूरी तरह से नाकाम करने में केवल दस वर्ष शेष हैं. इन दस वर्षों में हम राष्ट्र को गुलामी की मानसिकता से पूरी तरह मुक्त कर देंगे. यह 140 करोड़ देशवासियों का सामूहिक संकल्प होना चाहिए. जिस क्षण राष्ट्र इस मानसिकता से मुक्त होगा, वह स्वदेशी होने पर और भी अधिक गर्व करेगा और आत्मनिर्भरता के पथ पर और भी अधिक दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ेगा.'

पीएम ने कार्यक्रम में मौजूद बच्चों को संबोधित करते हुए कहा, 'पहले युवा सपने देखने से भी डरते थे, क्योंकि पुरानी व्यवस्थाओं में ये माहौल बन गया था कि कुछ अच्छा हो ही नहीं सकता. चारों ओर निराशा का वातावरण था. लेकिन आज देश टैलेंट को खोजता है, उन्हें मंच देता है. डिजिटल इंडिया की सफलता के कारण आपके पास इंटरनेट की ताकत है, आपके पास सीखने का संसाधन है. जो साइंस, टेक या स्टार्टअप्स में आगे जाना चाहते हैं तो उनके लिए स्टार्टअप इंडिया मिशन है. ऐसे तमाम मंच आपको आगे बढ़ाने के लिए हैं. आपको बस फोकस रहना है और इसके लिए जरूरी है कि आप शॉर्ट टर्म पॉपुलैरिटी की चमक-धमक में न फंसे. आपको अपनी सफलता को केवल अपने तक सीमित नहीं मानना है. आपका लक्ष्य होना चाहिए, आपकी सफलता देश की सफलता बननी चाहिए.'

वीर साहिबजादे हमारे भारत का गौरव हैं

पीएम मोदी ने इस मौके पर अपने संबोधन में कहा, 'आज देश वीर बाल दिवस मना रहा है. आज हम उन वीर साहिबजादों को याद कर रहे हैं, जो हमारे भारत का गौरव हैं. जो भारत के अदम्य साहस, शौर्य और वीरता की पराकाष्ठा हैं. वो वीर साहिबजादे, जिन्होंने उम्र और अवस्था की सीमाओं को तोड़ दिया, जो क्रूर मुगल सल्तनत के सामने ऐसे चट्टान की तरह खड़े हुए कि मजहबी कट्टरता और आतंक का वजूद ही हिल गया. जिस राष्ट्र के पास ऐसा गौरवशाली अतीत हो, जिसकी युवा पीढ़ी को ऐसी प्रेरणाएं विरासत में मिली हों, वो राष्ट्र क्या कुछ नहीं कर सकता है.'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बीते 4 वर्षों में वीर बाल दिवस की नई परंपरा ने साहिबजादों की प्रेरणाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाया है. वीर बाल दिवस ने साहसी और प्रतिभावान युवाओं के लिए एक मंच भी तैयार किया है. हर साल जो बच्चे अलग-अलग क्षेत्रों में देश के लिए जो कुछ कर दिखाते हैं, उन्हें प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है. उन्होंने कहा कि साहिबजादा अजीत सिंह जी, साहिबजादा जुझार सिंह जी, साहिबजादा जोरावर सिंह जी और साहिबजादा फतेह सिंह जी को छोटी-सी उम्र में उस समय की सबसे बड़ी सत्ता से टकराना पड़ा. वो लड़ाई भारत के मूल विचारों और मजहबी कट्टरता के बीच थी. वो लड़ाई सत्य बनाम असत्य की थी.

वीर साहिबजादे त्याग के साक्षात अवतार थे

पीएम मोदी ने कहा, 'उस लड़ाई के एक ओर दशम गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी थे, तो दूसरी ओर क्रूर औरंगजेब की हुकूमत थी. हमारे साहिबजादे उस समय छोटे थे, लेकिन औरंगजेब को और उसकी क्रूरता को उससे कोई फर्क नहीं पड़ता था. औरंगजेब जानता था कि अगर भारत के लोगों को डराकर उनका धर्मांतरण कराना है, तो उसे हिंदुस्तानियों का मनोबल तोड़ना होगा, और उसने साहिबजादों को निशाना बनाया. लेकिन औरंगजेब और उसके सिपहसालार भूल गए थे कि हमारे गुरु कोई साधारण मनुष्य नहीं थे, वो तो त्याग के साक्षात अवतार थे. वीर साहिबजादों को वही विरासत मिली थी. इसलिए चारों साहिबजादों को मुगलिया बादशाहत डिगा नहीं पाई.'

राष्ट्रपति ने 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' प्रदान किए

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (26 दिसंबर, 2025) नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियों के लिए बच्चों को 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' प्रदान किए।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' प्राप्त करने वाले सभी बच्चों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पुरस्कार विजेता बच्चों ने अपने परिवारों, समुदायों और पूरे देश का गौरव बढ़ाया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये पुरस्कार देश भर के सभी बच्चों को प्रेरित करेंगे। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदान किए गए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये पुरस्कार देश के सभी बच्चों को प्रेरित करेंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि लगभग 320 वर्ष पूर्व सिख धर्म के दसवें गुरु और सभी भारतीयों द्वारा श्रद्धेय गुरु गोविंद सिंह जी और उनके चार पुत्रों ने सत्य और न्याय के समर्थन में संघर्ष करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि दो सबसे छोटे साहिबजादों की वीरता का सम्मान और आदर भारत और विदेश दोनों में किया जाता है। उन्होंने उन महान बाल नायकों को श्रद्धापूर्वक याद किया जिन्होंने सत्य और न्याय के लिए गर्व के साथ अपने प्राणों की आहुति दी।

राष्ट्रपति ने कहा कि किसी देश की महानता तब निश्चित होती है जब उसके बच्चे देशभक्ति और उच्च आदर्शों से परिपूर्ण होते हैं। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चों ने वीरता, कला एवं संस्कृति, पर्यावरण, नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक सेवा और खेल जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि सात वर्षीय वाका लक्ष्मी प्रग्निका जैसे प्रतिभाशाली बच्चों के कारण ही भारत को विश्व पटल पर शतरंज की महाशक्ति माना जाता है। अजय राज और मोहम्मद सिदान पी, जिन्होंने अपनी वीरता और सूझबूझ से दूसरों की जान बचाई, प्रशंसा के पात्र हैं। नौ वर्षीय बेटी व्योमा प्रिया और ग्यारह वर्षीय बहादुर बेटे कमलेश कुमार ने अपने साहस से दूसरों की जान बचाते हुए अपनी प्राण गंवा दिए। दस वर्षीय श्रवण सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान युद्ध से जुड़े जोखिमों के बावजूद अपने घर के पास सीमा पर तैनात भारतीय सैनिकों को नियमित रूप से पानी, दूध और लस्सी पहुंचाई। वहीं, दिव्यांग बेटी शिवानी होसुरू उप्पारा ने आर्थिक और शारीरिक सीमाओं को पार करते हुए खेल जगत में असाधारण उपलब्धियां हासिल की हैं। वैभव सूर्यवंशी ने अत्यंत प्रतिस्पर्धी और प्रतिभा-समृद्ध क्रिकेट जगत में अपनी अलग पहचान बनाई है और कई रिकॉर्ड स्थापित किए। श्रीमती मुर्मु ने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे साहसी और प्रतिभाशाली बच्चे आगे भी अच्छे कार्य करते रहेंगे और भारत के भविष्य को उज्ज्वल बनाएंगे।

वीर बाल दिवस पर यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने गुरु गोबिंद सिंह के शहीद साहिबजादों को दी श्रद्धांजलि

लखनऊः मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम मृत्यु के सामने भी साहस और धर्म पर अडिग रहने वाले इन बाल वीरों की बहादुरी को सम्मान देने के लिए आयोजित किया गया है.

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को 'वीर बाल दिवस' के अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह के शहीद पुत्रों को श्रद्धांजलि अर्पित की.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वीर बाल दिवस के मौके पर आयोजित 'कीर्तन समागम' में शामिल हुए. उन्होंने गुरु गोबिंद सिंह के दो छोटे पुत्रों—साहिबजादा जोरावर सिंह (9 वर्ष) और साहिबजादा फतेह सिंह (6 वर्ष)—को याद किया, जिन्हें मुगल शासकों द्वारा इस्लाम कबूल न करने पर शहीद कर दिया गया था.

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम मृत्यु के सामने भी साहस और धर्म पर अडिग रहने वाले इन बाल वीरों की बहादुरी को सम्मान देने के लिए आयोजित किया गया है.

योगी आदित्यनाथ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिख समुदाय की उस मांग को सुना, जिसमें इन दो शहीद साहिबजादों को सम्मान देने के लिए एक विशेष दिन घोषित करने की बात कही गई थी. इसी समर्पण का सम्मान करते हुए प्रधानमंत्री ने 26 दिसंबर को 'वीर बाल दिवस' घोषित किया.

उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री ने देशभर के सिखों की आवाज सुनी और उनके समर्पण का सम्मान करते हुए 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस घोषित किया.'

मुख्यमंत्री ने गुरु गोबिंद सिंह के चारों साहिबजादों—साहिबजादा अजीत सिंह, साहिबजादा जुझार सिंह, साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह—को श्रद्धांजलि दी और इतिहास को जीवित रखने तथा नई पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की सराहना की.

उन्होंने कहा, 'सबसे पहले मैं गुरु गोबिंद सिंह जी के चारों पुत्रों को नमन करता हूं. इतिहास को पुनर्जीवित करने और नई पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करता हूं.'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जफरनामा और उससे जुड़े ऐतिहासिक प्रसंगों को भी याद किया. उन्होंने कहा, 'औरंगजेब यह समझता था कि गुरु गोबिंद सिंह कोई साधारण व्यक्ति हैं. आज कोई ऐसा स्थान नहीं है जहां हिंदू या सिख रहते हों और गुरु गोबिंद सिंह का सम्मान न हो, लेकिन उनकी कौम को औरंगजेब तक याद नहीं है.'

सिख गुरुओं के इतिहास को याद करते हुए उन्होंने कहा, 'सिख गुरुओं का इतिहास तेजस्वी और प्रेरणादायक है. गुरु नानक देव जी महाराज भक्ति के प्रकाश थे. सीमित साधनों के बावजूद उन्होंने मानवता के लिए जो किया, उसका प्रभाव आज भी दिखाई देता है.'

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी साहिबजादों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बलिदान और साहस को याद किया.

प्रधानमंत्री ने श्री बिस्वा बंधु सेन जी के निधन पर शोक व्यक्त किया

त्रिपुरा विधानसभा के अध्यक्ष श्री बिस्वा बंधु सेन जी के निधन पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शोक व्यक्त किया है। श्री मोदी ने कहा कि त्रिपुरा की प्रगति को बढ़ावा देने और

कई सामाजिक कार्यों के प्रति उनके समर्पण के लिए उन्हें याद किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा : त्रिपुरा विधानसभा के अध्यक्ष श्री बिस्वा बंधु सेन जी के निधन से गहरा दुख हुआ। त्रिपुरा की प्रगति को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों और कई सामाजिक कारणों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए उन्हें याद किया जाएगा। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं। ॐ शांति।

भा.कि. यू.भानू संगठन की महिला जिला अध्यक्ष विद्यावती ने बांग्लादेश में हो रहे हैं हिंदुओं पर अत्याचार को लेकर निकली जन आक्रोश यात्रा

(जीएनएस)।

मलिहाबाद मे बृहस्पतिवार को विद्यावती महिला जिला अध्यक्ष भारती किसान यूनियन भानु संगठन द्वारा बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार हुआ दीपू दास की हत्या के विरोध में विरोध धरना प्रदर्शन नारेबाजी के साथ किया और पुतला मलिहाबाद चौराहे पर फुका

विद्यावती ने बताया बीजेपी सरकार से और उच्च अधिकारियों से हमारी यही मांग है हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें

और इस अपराध में जो शामिल है उसको फांसी की सजा दें और इस षड्यंत्र में शामिल उन सभी आजीवन कारावास के लिए कार्रवाई करें

इस कार्यक्रम में विद्यावती महिला जिला अध्यक्ष, भानु संगठन की कई माताएं बहने व भाई उपस्थित रहे

बांग्लादेश का पूरा प्रशासन और समाज हिंसक और बर्बर इस्लामी जिहादी तत्वों के हिंदू विरोधी नंगे नाच पर मौन साधे हुए है और निष्क्रियता से उन्हें प्रोत्साहित ही कर रहे हैं। अल्पसंख्यकों के मानवीय अधिकारों का ऐसा खुला हनन किसी भी सभ्य समाज में मानवता के विरुद्ध गंभीर अपराध है।

यह निर्णय किया गया है कि ऐसी बर्बर जिहादी हिंसा और प्रशासनिक निष्क्रियता की निन्दा करने, हिंदू विरोधी हिंसा पर रोक लगाने, इनके अपराधियों पर कड़ी कार्यवाही कर उन्हें सजा देने और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के लिए भय और शोषणमुक्त वातावरण बनाने की मांग

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निघासन में होने वाले 251 कुंडीय विराट गायत्री महायज्ञ को दी शुभकामनाएं

(जीएनएस)।

निघासन में 1 से 5 जनवरी 2026 तक आयोजित होने जा रहे राष्ट्रीय शौर्य समृद्धि 251 कुंडीय विराट गायत्री महायज्ञ को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुभकामना संदेश जारी किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा दशकों से आध्यात्मिक चेतना, सामाजिक नवजागरण और नैतिक उत्थान के क्षेत्र में किया जा रहा कार्य पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरणास्रोत रहा है।

मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि गायत्री साधना के माध्यम से व्यक्तित्व निर्माण, परिवार प्रबोधन और समाज परिष्कार का जो सतत अभियान चलाया जा रहा है, उसने समाज को संस्कार, सेवा और समर्पण की दिशा दी है। निघासन की पुण्यभूमि पर आयोजित यह महायज्ञ सामूहिक साधना और यज्ञीय चेतना का विराट स्वरूप है, जो समाज में सद्भाव, अनुशासन और सकारात्मक जीवन दृष्टि का संचार करेगा।

उन्होंने कहा कि महायज्ञ के दौरान प्रज्ञा योग, देव पूजन, यज्ञ साधना, संस्कार कार्यक्रमों और सांस्कृतिक संध्याओं के माध्यम से सामाजिक एकता को मजबूती मिलेगी। इस आयोजन में अखिल विश्व गायत्री परिवार के विचारों के संवाहक एवं प्रेरणास्रोत डॉ. चिन्मय पंड्या की गरिमामयी उपस्थिति आयोजन को विशेष आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अखिल विश्व गायत्री परिवार, आयोजन समिति तथा समस्त साधकों और सहभागियों को इस विराट आयोजन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह 251 कुंडीय विराट गायत्री महायज्ञ राष्ट्रजीवन में नैतिक चेतना, आत्मिक शुद्धि और सामाजिक एकता को नई शक्ति प्रदान करेगा।

सम्पादकीय

प्रियंका के राजनीति में आगे आने पर विपक्ष में असंतोष

मोदी और प्रियंका की चाय पर चर्चा, विपक्ष में असंतोष के स्वर उभरे कहते हैं अंत भला तो सब भला। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के ताजा रुख को लेकर राजनीतिक हलकों में कयास लगने शुरू हो गए हैं। राहुल की अनुपस्थिति में प्रियंका गांधी ने जिस तरह से अपनी पाटा का प्रतिनिधित्व किया उसके कई मायने लगाए जा रहे हैं। संसद का शीतकालीन सत्र हंगामेदार माहौल में समाप्त हुआ लेकिन सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं ने एकसाथ चाय पी कर सकारात्मक संदेश दे दिया। सरकार ने सत्र को अत्यधिक उत्पादक और सुधारोन्मुखी बताया जबकि विपक्ष ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005 (मनरेगा) के स्थान पर लाए गएनए विधेयक जी राम जी के खिलाफ जन आंदोलन छेड़ने की चेतावनी दी। सत्र के समापन के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पारंपरिक चाय पाटा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा और विपक्ष के अन्य नेताओं के बीच सौहार्दपूर्ण बातचीत हुई। यह संवाद पिछले सत्रों से बिल्वुल अलग था क्योंकि विपक्षी दल अक्सर इस कार्याम का बहिष्कार करते थे जिनमें पिछले साल का शीतकालीन सत्र भी शामिल है। वर्तमान 18वीं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 2024 के पहले सत्र के बाद से केवल एक बार ही ऐसी चाय पाटा में भाग लिया है। सत्र के अंतिम सप्ताह में मोदी तीन देशों, जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान के दौरे पर थे। वे सत्र के अंतिम दिन लौटे। वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री से कहा कि वे अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से बेहतर ढंग से जुड़ने के लिए मलयालम सीख रही हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से तीन देशों के दौरे के बारे में भी पूछा। मोदी ने कहा कि इथियोपिया की प्रगति भारत में प्रचलित धारणाओं से कहीं आगे है, सामाजिक और आर्थिक दोनों ही दृष्टि से। जब समाजवादी पाटा के नेता धर्मेंद्र यादव ने टिप्पणी की कि शीतकालीन सत्र केवल 15 बैठकों के साथ सबसे छोटा सत्र था तो मोदी ने चुटकी लेते हुए कहा कि यह उनके गले के लिए अच्छा था क्योंकि उन्हें बहुत दिनों तक चिल्लाना नहीं पड़ा, जिससे वहां मौजूद लोग हंस पड़े। प्रियंका ने भी चुटकी लेते हुए कहा कि वह केवल नारे ही नहीं लगातीं बल्कि भाषण भी देती हैं, जिससे एक बार फिर हंसी का माहौल बन गया। रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पाटा (आरएसपी) के नेता एनके प्रेमचंद्रन ने भी सत्र के कम समय पर चिंता व्यक्त की जिस पर अध्यक्ष बिरला ने उन्हें याद दिलाया कि उनके पास बोलने के पर्याप्त अवसर थे। प्रियंका गांधी ने कहा कि कई सांसद, जिनमें वह भी शामिल हैं, संसदीय कार्यवाही की बारीकियों को सीखने के लिए सदन में प्रेमचंद्रन के आचरण का गौर करते हैं। मोदी ने प्रेमचंद्रन की प्रशंसा करते हुए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सांसदों में से एक बताया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पाटा की नेता सुप्रिया सुले, द्रमुक के ए. राजा, वेंद्रीय मंत्री राम मोहन नायडू (तेलुगु देशम पाटा) और राजीव रंजन सिंह (जनता दल-यूनाइटेड), लोक जनशक्ति पाटा और के नेता और वेंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और विपक्ष के कई अन्य नेता शामिल थे। नेताओं ने कार्यवाही के सुचारू संचालन के लिए ओम बिरला को धन्यवाद दिया। चाय पाटा का आयोजन एक पुरानी परंपरा है जिसे अध्यक्ष द्वारा सत्र के अंत में सौहार्द और सद्भावना के माहौल में तनावपूर्ण वातावरण को शांत करने के लिए किया जाता है। विपक्ष 2024 के मानसून सत्र के बाद से ऐसे आयोजन से दूरी बनाए हुए था। लेकिन प्रियंका के बदले रूख से विपक्ष के इंडिया गठबंधन के बाकी घटक दलों में नाखुशी व्यक्त की जाने लगी है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट ऑफ के सांसद जान ब्रिटास ने शीतकालीन सत्र के दौरान संसद से विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अनुपस्थिति पर सवाल उठाया है और सत्र के बाद प्रधानमंत्री के साथ चाय पर चर्चा में प्रियंका गांधी की भागीदारी की आलोचना की है। जान ब्रिटास ने कहा कि प्रियंका गांधी के इस चर्चा में भाग लेने से गलत संदेश गया है। वैसे भी वह संसदीय दल की नेता नहीं हैं। उन्होंने

राजकोट में जीआईडीसी द्वारा मेडिकल डिवाइस पार्क की महत्वाकांक्षी पहल, गुजरात के तेजी से विकसित हो रहे चिकित्सा क्षेत्र को नई गति

वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) - कच्छ एवं सौराष्ट्र के आयोजन से वैश्विक निवेश तथा आधुनिक मेडिकल डिवाइस इकोसिस्टम को मिलेगा वेग

गांधीनगर, 26 दिसंबर : गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी) द्वारा राजकोट जिले के नागलपर में एक नया, क्षेत्र-विशिष्ट मेडिकल डिवाइस पार्क स्थापित करने की महत्वाकांक्षी पहल की गई है। इस प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य चिकित्सा उपकरण उद्योग के लिए एक एकीकृत एवं व्यापक इकोसिस्टम विकसित करना है; जो अनुसंधान, उत्पादन, गुणवत्ता परीक्षण तथा वैश्विक निर्यात को सुदृढ़ आधार प्रदान करेगा।

नागलपर में मेडिकल डिवाइस पार्क की स्थापना

जीआईडीसी द्वारा प्रस्तावित नागलपुर मेडिकल डिवाइस पार्क लगभग 336 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा। इस पार्क को 'एंड-टू-एंड' इकोसिस्टम के रूप में डिजाइन किया गया है; जिसमें प्रारंभिक अनुसंधान से लेकर उत्पादन, परीक्षण तथा अंत में अंतरराष्ट्रीय बाजार में निर्यात तक की समग्र प्रक्रिया सरल व कार्यक्षम बनेगी।

स्थानीय लाभ तथा रणनीतिक कनेक्टिविटी

नागलपुर लॉजिस्टिक्स तथा कनेक्टिविटी की दृष्टि से अत्यंत रणनीतिक है। यह क्षेत्र पीपावाव बंदरगाह से लगभग 125 किलोमीटर, कंडला बंदरगाह से 198 किलोमीटर और मुंद्रा बंदरगाह से 243 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। राजकोट अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सौराष्ट्र अंचल को मुंबई, दिल्ली तथा बेंगलुरू जैसे देश के प्रमुख शहरों के साथ सीधी एयर कनेक्टिविटी प्राप्त है। इसके अतिरिक्त; यह मेडिकल डिवाइस पार्क राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 27 (एनएच-27) से केवल 9 किलोमीटर की दूरी

पर स्थित है; जो अहमदाबाद, जयपुर एवं दिल्ली जैसे महत्वपूर्ण शहरों को जोड़ने वाला प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग है।

प्लग-एंड-प्ले ढाँचागत सुविधाएँ

उद्योगों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर नागलपुर मेडिकल डिवाइस पार्क में आधुनिक तथा तैयार-उपयोग (प्लग-एंड-प्ले) के लिए ढाँचागत सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी। इनमें दैनिक 3.5 मिलियन लीटर (एमएलडी) क्षमता वाली विश्वसनीय जलापूर्ति व्यवस्था, ठोस कूड़ा प्रबंधन सुविधा तथा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) शामिल हैं। निर्बाध/निरंतर विद्युत आपूर्ति के लिए 66 केवी सबस्टेशन हेतु भूमि आरक्षित रखी गई है। साथ ही; कार्यक्षम सप्लाई चेन सुनिश्चित करने के लिए कॉमन वेयरहाउस तथा लॉजिस्टिक्स सेंटर का आयोजन किया गया है।

नागलपुर मेडिकल डिवाइस पार्क का विकास भारत के तेजी से विकसित हो रहे मेडिकल डिवाइस उत्पादन क्षेत्र में गुजरात को अग्रसर राज्य के रूप में स्थापित करने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब है।

वीजीआरसी राजकोट : निवेश का रणनीतिक मंच

राजकोट में आयोजित होने वाली आगामी वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) - कच्छ एवं सौराष्ट्र नागलपुर स्थित मेडिकल डिवाइस पार्क द्वारा सृजित होने वाले निवेश के विशाल अवसरों को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करने के लिए एक सशक्त एवं गतिशील प्लेटफॉर्म प्रदान करेगी। ऑथोपैडिक तथा सर्जिकल डिवाइस मैन्युफैक्चरिंग के लिए विख्यात राजकोट में आयोजित होने वाली इस कॉन्फ्रेंस के दौरान इंजीनियरिंग, बंदरगाहों तथा लॉजिस्टिक्स और कृषि एवं फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में कच्छ-सौराष्ट्र अंचलों की क्षमताओं को विशेष रूप से उजागर किया जाएगा।

जनवरी-2026 के दौरान आयोजित होने वाली वीजीआरसी-राजकोट में वैश्विक निवेशकों, उद्योग अग्रणियों और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ सीधे संवाद द्वारा रणनीतिक भागीदारियाँ विकसित करने, भूमि आवंटन प्राप्त करने और भारत के मेडिकल डिवाइस बाजार में विशिष्ट पहचान स्थापित करने के स्वर्णिम अवसर उपलब्ध होंगे।

आयुष मंत्रालयः साक्ष्य-आधारित विकास, वैश्विक नेतृत्व और जन-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा का एक परिवर्तनकारी वर्ष

(जीएनएस)।

आयुष मंत्रालय वर्ष 2025 के समापन के साथ, इस वर्ष को भारत की साक्ष्य-आधारित, जन-केंद्रित और वैश्विक स्तर पर एकीकृत पारंपरिक स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंचाने का साक्षी है। ऐतिहासिक नीतिगत पहलों और विश्व स्तरीय अवसंरचना विस्तार से लेकर ऐतिहासिक वैश्विक सहयोग और जन स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों तक, इस वर्ष आयुष प्रणालियों ने वंचित से मुख्यधारा की ओर निर्णायक रूप से अग्रसर होकर प्रगति की है। विकसित भारत@2047 की परिकल्पना के अनुरूप, मंत्रालय ने अनुसंधान, विनियमन, डिजिटल एकीकरण और अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता को सुदृढ़ करते हुए पारंपरिक चिकित्सा में भारत के नेतृत्व को मजबूत किया, साथ ही यह सुनिश्चित किया कि समग्र स्वास्थ्य सेवा के लाभ देश भर में और उससे परे भी लाखों लोगों तक पहुंचें।

प्रधानमंत्री ने दिल्ली में सीएआरआई की अत्याधुनिक आयुर्वेद अनुसंधान सुविधा की आधारशिला रखी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के रोहिणी में नए केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (सीएआरआई) भवन की वर्चुअल रूप से आधारशिला रखी। 2.92 एकड़ में फैले इस अत्याधुनिक परिसर में 187 करोड़ रुपये की लागत से 100 बिस्तरों वाला अनुसंधान अस्पताल, विशेष क्लीनिक, उन्नत प्रयोगशालाएं और प्रशिक्षण सुविधाएं होंगी। दशकों तक किराए के परिसर से संचालित होने के बाद अब इस संस्थान का यह एक महत्वपूर्ण विस्तार है। प्रधानमंत्री ने पारंपरिक चिकित्सा में भारत के बढ़ते वैश्विक नेतृत्व, आयुष वीजा के बढ़ते चलन और राष्ट्र के वैश्विक स्वास्थ्य एवं कल्याण राजधानी बनने की क्षमता का उल्लेख किया। केंद्रीय आयुष मंत्री श्री प्रतापराव जाधव, सांसद श्री योगेंद्र चंदोलिया, आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा और सीसीआरएएस अधिकारियों ने अनुसंधान, रोगी देखभाल और सुलभता पर परियोजना के दीर्घकालिक प्रभाव को रेखांकित किया। पंचकर्म, क्षार सूत्र और जलौकावचरण जैसे उपचारों के साथ-साथ आधुनिक निदान सुविधाओं से लैस आधुनिक बुनियादी ढांचे सहित नया सीएआरआई परिसर आयुर्वेद अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार है।

राष्ट्रपति ने अंतरराष्ट्रीय यूनानी सम्मेलन का उद्घाटन किया, वैश्विक मान्यता के लिए नवाचार को महत्वपूर्ण बताया

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने यूनानी दिवस के अवसर पर केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरएम) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने हकीम अजमल खान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए जन स्वास्थ्य में सीसीआरएम के योगदान की सराहना की। विज्ञान भवन में उपस्थित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सदियों पुराने ज्ञान पर आधारित यूनानी चिकित्सा को वैश्विक स्तर पर स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए नवाचार को अपनाना होगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भारत में यूनानी शिक्षा, अनुसंधान और स्वास्थ्य संस्थानों का विश्व का सबसे बड़ा नेटवर्क उपस्थित है। सम्मेलन के विषय, "एकीकृत स्वास्थ्य समाधानों के लिए यूनानी चिकित्सा में नवाचार-भविष्य का मार्ग" की प्रासंगिकता का उल्लेख करते हुए उन्होंने यूनानी चिकित्सा को मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवा में एकीकृत करने के लिए अनुसंधान, सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान के महत्व को रेखांकित किया। डॉ. जितेंद्र सिंह ने प्रणाली के आधुनिकीकरण में आणविक जीव विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उन्नत अनुसंधान की भूमिका पर बल दिया, जबकि केंद्रीय आयुष मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने एक स्वस्थ और सतत भविष्य के लिए पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता को दोहराया। इस कार्यक्रम में आयुष के वरिष्ठ नेतृत्व, सीसीआरएम के अधिकारियों और नौ देशों के अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

महाकुंभ में आयुष सेवाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन

प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान आयुष सबसे विश्वसनीय और व्यापक रूप से सुलभ स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में से एक बनकर उभरा है। ओपीडी, मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयों, स्वास्थ्य केंद्रों और योग सत्रों के माध्यम से 9 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने इसकी सेवाओं का लाभ उठाया है। 12.1 लाख लाभार्थियों की पिछली उपलब्धियों को पार करते हुए, आयुष ने अपनी उपस्थिति को विशेष रूप से बढ़ाया है- मेले के मैदान में चौबीसों घंटे देखभाल प्रदान करने के लिए 20 ओपीडी, 90 से अधिक चिकित्सक, 150 स्वास्थ्यकर्मी और समर्पित मोबाइल इकाइयां तैनात की हैं। एमडीएनआईवाई द्वारा आयोजित चिकित्सीय योग सत्रों ने अंतरराष्ट्रीय और घरेलू श्रद्धालुओं को आकर्षित करना जारी रखा, जबकि सेक्टर 2, 21 और 24 में स्थित आयुष कन्वेंशन हॉल ने तीर्थयात्रियों को निवारक स्वास्थ्य और रोग प्रबंधन के बारे में शिक्षित किया। प्रमुख अखाड़ों में संतों की विशेष जांच की गई, जिससे उत्सव के चरम समय के दौरान उनका कल्याण सुनिश्चित हुआ। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान ने 10,000 आयुष रक्षा किट वितरित करके और 15,000 तीर्थयात्रियों के लिए एक सप्ताह तक चलने वाले स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करके निवारक देखभाल प्रणाली को मजबूत किया। पर्यावरण और आजीविका के आयाम को शामिल करते हुए, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड ने 25,000 औषधीय पौधों का वितरण किया, जिससे प्राकृतिक उपचार और औषधीय पौधों की खेती के प्रति जागरूकता को बढ़ावा मिला। ये सभी प्रयास आयुष मंत्रालय के व्यापक दृष्टिकोण अर्थात विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक सम्मेलन को न केवल सार्थक बनाना, बल्कि इसे स्वस्थ, सुरक्षित और भारत की पारंपरिक स्वास्थ्य विरासत से अधिक जुड़ाव प्रदान करने के भाव को दर्शाते हैं।

खदान मंजूरी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कोयला खदान नियंत्रण (संशोधन) नियम, 2025 अधिसूचित

सरकार ने कोयला खदान मंजूरी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कोयला खदान नियंत्रण (संशोधन) नियम, 2025 अधिसूचित किए - कोयला कंपनियों के बोर्ड को खदान, परत या परत के किसी भाग को खोलने की मंजूरी देने का अधिकार प्रदान किया

(जीएनएस)।

सरकार ने कोलियरी कंट्रोल रूल्स, 2004 के तहत कोयला और लिग्नाइट खानों के परिचालन मंजूरी से संबंधित प्रावधानों में संशोधन किया है। कामकाज में आसानी लाने और कोयला क्षेत्र को अधिक व्यवसाय-अनुकूल बनाने के लिए यह एक महत्वपूर्ण प्रयास है। यह संशोधन प्रक्रियात्मक अनावश्यकताओं को दूर करता है और खानों के तेजी से परिचालन को सक्षम बनाता है, साथ ही निरंतर नियामक निरीक्षण सुनिश्चित करता है।

कोलियरी कंट्रोल रूल्स, 2004 के नियम (9) के पूर्व प्रावधानों के अनुसार, कोयला/लिग्नाइट खदान के मालिक को कोयला खदान खोलने के साथ-साथ अलग-अलग जमीन के नीचे कोयले की परत या परतों के हिस्सों को खोलने के लिए कोल कंट्रोलर ऑर्गनाइजेशन (सीसीओ) से पूर्व अनुमति प्राप्त करना आवश्यक था। यदि कोई खदान 180 दिनों या उससे अधिक समय तक परिचालन में नहीं थी, तो कोयला/लिग्नाइट खदान शुरू करने के लिए भी सीसीओ की अनुमति आवश्यक थी।

प्रक्रियात्मक अनावश्यकताओं को दूर करने, कोयला उत्पादन में तेजी लाने और अनुमोदन प्रक्रिया में दक्षता में सुधार करने के लिए, कोलियरी कंट्रोल रूल्स, 2004 के नियम 9 में संशोधन के माध्यम से सीसीओ से पूर्व-खोलने की अनुमति प्राप्त करने की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया है। इस नियम में संशोधन करने वाली अधिसूचना 23.12.2025 को जारी की गई है

संशोधित प्रावधानों के तहत, खदान/जमीन के नीचे कोयले की परत परिचालन की अनुमति देने का अधिकार अब संबंधित कोयला कंपनी के बोर्ड को सौंप दिया गया है। इस सुधार से अनुमोदन प्रक्रिया सुव्यवस्थित होगी और साथ ही यह सुनिश्चित होगा कि अनुपालन की जिम्मेदारी कंपनी के सर्वोच्च निर्णय लेने वाले प्राधिकरण के पास ही बनी रहे। इस सुधार से खदान के परिचालन में लगने वाले समय में 2 महीने तक की कमी आने की उम्मीद है।

सुरक्षा उपाय के रूप में, यह प्रावधान किया गया है कि (क) संबंधित कोयला कंपनी का बोर्ड केंद्र/राज्य सरकार और वैधानिक निकायों से आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद खदान/ जमीन के नीचे कोयले की परत के परिचालन की मंजूरी दे सकता है, (ख) कंपनी को खदान परिचालन के बारे में जानकारी सीसीओ को प्रस्तुत करनी होगी, और (ग) कंपनियों के अलावा अन्य संस्थाओं के लिए, ऐसा अनुमोदन सीसीओ के माध्यम से ही जारी रहेगा।

समग्र सुधार में नियामक निगरानी और वैधानिक सुरक्षा उपायों को बनाए रखते हुए परिचालन संबंधी निर्णय लेने का अधिकार कंपनी बोर्डों को सौंपकर एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाया गया है। इस संशोधन से अनुमोदन की समयसीमा में कमी आने और जवाबदेही को उच्चतम कॉर्पोरेट स्तर पर होने के साथ-साथ दक्षता में वृद्धि, कोयला उत्पादन में तेजी आएगी

मुमताज पटेल : कौन हैं? उन्नाव केस में सेंगर की सशर्त जमानत पर कहीं ये कड़वी बात

(जीएनएस)।

उन्नाव रेप केस ने 2017 में पूरे देश को स्तब्ध कर दिया था। अब दिल्ली हाई कोर्ट के 23 दिसंबर 2025 के फैसले ने फिर से आक्रोश की लहर दौड़ा दी है। कोर्ट ने पूर्व इखढ विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा अपील लंबित रहने तक निलंबित कर सशर्त जमानत दे दी। इस फैसले से पीड़िता इतनी आहत हुईं कि इंडिया गेट पर प्रदर्शन किया और सुसाइड करने का मन होने की बात कही।

इसी क्रम में 26 दिसंबर को कांग्रेस नेता मुमताज पटेल ने दिल्ली हाई कोर्ट के सामने धरना दिया और फैसले पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, 'यह बहुत बड़ा झटका है... यह गलत मिसाल कायम कर रहा है... पीड़िता का आत्मविश्वास टूट गया, सिर्फ उनका नहीं, पूरे देश की महिलाओं का।' आइए, जानते हैं मुमताज पटेल कौन हैं, उनका बैकग्राउंड, राजनीतिक विरासत और

उन्नाव केस पर उनका स्टैंड...

मुमताज पटेल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सक्रिय नेता हैं और गुजरात के दिग्गज कांग्रेसी अहमद पटेल की बेटी हैं। वे अपने पिता की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ा रही हैं। अहमद पटेल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे, जो सोनिया गांधी के सबसे करीबी सलाहकार माने जाते थे। उन्होंने गुजरात से 3 बार राज्यसभा सांसद रहे और कांग्रेस की रणनीति में अहम भूमिका निभाई। उनका निधन 25 नवंबर 2020 को कोरोना से जुड़ी जटिलताओं से हुआ था।

मुमताज पटेल कम प्रोफाइल रखती हैं, लेकिन पार्टी के महिला और अल्पसंख्यक मुद्दों पर सक्रिय हैं। वे गुजरात कांग्रेस में युवा चेहरा हैं और सोशल जस्टिस, महिला सुरक्षा जैसे इश्यूज पर बोलती रहती हैं। उन्नाव केस पर उनका धरना और बयान दिखाता है कि वे पीड़ित महिलाओं की आवाज बन रही हैं।

परिवार और बैकग्राउंडः राजनीतिक विरासत की मजबूत जड़ें

मुमताज पटेल का परिवार गुजरात की राजनीति में गहराई से जुड़ा हैः

पिताः अहमद पटेल- कांग्रेस के दिग्गज, सोनिया गांधी के करीबी, गुजरात से राज्यसभा टढ। 'क्राइसिस मैनेजर' के नाम से मशहूर।

मांः मेमूना अहमद पटेल- परिवार को संभालती रहीं।

भाईः फैसल पटेल- बड़े भाई, जो भी राजनीति में सक्रिय हैं। भरूच से कांग्रेस की राजनीति संभालते हैं।

भीतरी दीवार गिरने से युवा तारकीय डिस्क में जटिल हाइड्रोकार्बन अणु

(जीएनएस)।

खगोलविदों ने टी चैमेलियोन्टिस नामक एक युवा तारे के धूल भरे आवरण के पीछे छिपे एक दिलचस्प रहस्य का खुलासा किया है। यह तारा पृथ्वी से लगभग 350 प्रकाश वर्ष दूर स्थित है और इसकी भीतरी परिधि की दीवार का एक हिस्सा आंशिक रूप से ढह जाने के कारण चुपचाप ग्रहों का निर्माण कर रहा है। इससे ग्रहों की प्रणालियों के विकास की हमारी समझ को बदलने में मदद मिल सकती है।

टी. चैमेलियोन्टिस (टी. चा) एक असाधारण तारा है, यह एक ग्रह-निर्माण डिस्क से घिरा हुआ है जिसे परास्तारक डिस्क कहा जाता है। इसमें एक चौड़ा अंतराल है—संभवतः एक नवजात ग्रह द्वारा निर्मित। सामान्यतः, ऐसी डिस्क के सघन आंतरिक क्षेत्र एक सुरक्षात्मक दीवार या आवरण की तरह कार्य करते हैं। यह तारे के अधिकांश पराबैंगनी प्रकाश को ठंडे, बाहरी क्षेत्रों तक पहुंचने से रोकते हैं। इस अवरोध के कारण कार्बन और हाइड्रोजन से बने चपटे, मधुकोश के आकार के अणु (बेंजीन वलय) पॉली एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (पीएएच) हैं और जिन्हें जीवन की रसायन शास्त्र के प्रारंभिक अग्रदूतों में से माना जाता है, कम द्रव्यमान वाले, सूर्य जैसे तारों के आसपास विशेष रूप से पता लगाना कठिन हो जाता है।

ये अणु अंतरतारकीय बादलों में आम हैं, लेकिन कम द्रव्यमान वाले, सूर्य जैसे तारों की डिस्क में इनका पता लगाना चुनौतीपूर्ण रहा है, क्योंकि ये तारे बहुत कम मात्रा में पराबैंगनी प्रकाश उत्पन्न करते हैं।

ऊपरी पैनलः 2022 में जेडब्ल्यूएसटी (लाल) द्वारा देखे गए टी. चा. के एमआईआर स्पेक्ट्रम को स्पिट्जर (लाल) द्वारा 2002 में देखे गए स्पेक्ट्रम के साथ दर्शाया गया है, जिससे पता चलता है कि तारकीय डिस्क की आंतरिक दीवार के ढहने के कारण स्पेक्ट्रम की ढलान बदल गई थी। निचला पैनलः जेडब्ल्यूएसटी और स्पिट्जर से प्राप्त निरंतरता घटाए गए एमआईआर डेटा में पीएएच अणुओं से निकलने वाले विभिन्न स्पेक्ट्रल उत्सर्जन बैंड दिखाए गए हैं। 2022 में पीएएच सिग्नल काफी मजबूत हैं, लेकिन विशेषताओं की सापेक्ष तीव्रता लगभग समान रही है, जो इस बात का प्रमाण है कि अणु स्वयं समय के साथ स्थिर रहे हैं।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के एक स्वायत्त संस्थान, भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (आईआईए) के वैज्ञानिकों ने नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (जेडब्ल्यूएसटी) के मिड इन्फ्रारेड इंस्ट्रूमेंट (एमआईआरआई) से प्राप्त अभिलेखीय स्पेक्ट्रोस्कोपिक डेटा का उपयोग करके इस तारे के स्पेक्ट्रम में पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (पीएएच) का अध्ययन किया। अत्यंत संवेदनशील जेडब्ल्यूएसटी टेलीस्कोप ने लगभग संयोगवश 2022 में उस क्षण को कैद कर लिया जब तारे की आंतरिक परत पतली हुई और अंतरिक्ष में एक पुरानी तरह की रासायनिक प्रक्रिया सामने आई। तारे की डिस्क से पदार्थ अचानक एक तीव्र अभिवृद्धि के साथ तारे पर आ गिरा, जिससे उसकी भीतरी दीवार पतली हो गई या आंशिक रूप से ढह गई। ऐसा होते ही पराबैंगनी विकिरण अचानक बाहर की ओर प्रवाहित होने लगा, इससे डिस्क के वे हिस्से प्रकाशित हो गए जो पहले छाया में थे।

भारत ने परंपरा के साथ आधुनिकता को सफलतापूर्वक जोड़ा हैः डॉ. जितेंद्र सिंह

(जीएनएस)।

मूलभूत सभ्यतागत मूल्यों को संरक्षित रखते हुए और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाकर भारत ने परंपरा के साथ आधुनिकता को सफलतापूर्वक जोड़ा हैः डॉ. जितेंद्र सिंह

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत का वैश्विक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणीय देश के रूप में उभरना शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व के निर्णायक नीतिगत समर्थन के कारण संभव हुआ हैः डॉ. जितेंद्र सिंह

भारत अब अंतरिक्ष, रक्षा और नवाचार के क्षेत्रों में वैश्विक मानक स्थापित कर रहा हैः डॉ. जितेंद्र सिंह

क्षेत्रीय भाषाओं के माध्यम से विज्ञान का लोकतंत्रीकरण 'विकसित भारत 2047' के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकः डॉ. जितेंद्र सिंह

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में आज आयोजित भारतीय विज्ञान

सम्मेलन 2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय में कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत ने मूलभूत सभ्यतागत मूल्यों को संरक्षित करते हुए और साथ ही अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को अपनाकर परंपरा के साथ आधुनिकता को सफलतापूर्वक जोड़ा है, जिसका अंतिम लक्ष्य आम नागरिक के लिए जीवन को सुगम बनाना है।

मंत्री महोदय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत का वैश्विक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी देश के रूप में उभर कर सामने आना शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व द्वारा प्रदान किए गए निर्णायक नीतिगत समर्थन के कारण संभव हो पाया है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि पिछले एक दशक में, विशेषकर 2014 से, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार को अभूतपूर्व नीतिगत प्राथमिकता और बजटीय समर्थन में मिला है, जिससे उन दीर्घकालिक बाधाओं को दूर किया गया है जो पहले भारत की वैज्ञानिक क्षमता को सीमित करती थीं। उन्होंने कहा कि देश में प्रतिभा की कभी कमी नहीं थी, बल्कि सक्षम इकोसिस्टम और राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव था, जिसे अब निर्णायक रूप से दूर कर दिया गया है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

पश्चिम रेलवे पर क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक सम्पन्न

मुंबई, पश्चिम रेलवे की क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 26 दिसंबर, 2025 को पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर पश्चिम रेलवे, प्रधान कार्यालय की ई-पत्रिका 'ई-राजहंस' के 61वें अंक का विमोचन महाप्रबंधक महोदय के कर-कमलों से किया गया। इसके साथ ही रेलवे बोर्ड के आदेशानुसार पश्चिम रेलवे में क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित हिंदी निबंध, वाक और हिंदी टिप्पण एवं प्रारुप लेखन प्रतियोगिताओं में विजेता 19 प्रतिभागियों को महाप्रबंधक महोदय के कर-कमलों से नकद पुरस्कार राशि एवं प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध कवि एवं राजनेता भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती भी मनाई गई। उनके जीवन के संक्षिप्त परिचय से सदस्यों को अवगत कराया गया और उनकी एक प्रसिद्ध कविता 'गीत नया गाता हूं' का गायन द्वारा प्रस्तुतिकरण भी किया गया।

राजभाषा बैठक की अध्यक्षता करते हुए पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री गुप्ता ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और कहा कि उनका दायित्व है कि वे अपने-अपने कार्यस्थल पर राजभाषा को प्रोत्साहित करें साथ ही उन्होंने अपेक्षा की कि जो कर्मी रेलवे बोर्ड स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं में सहभागिता करेंगे वे भी पश्चिम रेलवे का परचम लहराएं। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय एवं रेलवे बोर्ड द्वारा राजभाषा के संबंध में जो भी दिशा-निर्देश जारी किए जाते हैं उसका शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

बैठक के प्रारंभ में पश्चिम रेलवे के मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री विनीत गुप्ता ने समिति के अध्यक्ष एवं पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक, सभी विभागों के प्रमुखों, सभी अपर मंडल रेल प्रबंधक, सभी मुख्य कारखाना प्रबंधक और अन्य अधिकारियों का स्वागत करते हुए पुस्तक और कॉपीराइट दिवस' के रूप में घोषित किया है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य पुस्तकों के महत्व को उजागर करना और साहित्य को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर में जब सभी प्रकार की सूचनाएं वेबसाइटों के माध्यम से प्रसारित हो रही हैं तब सभी मंडलों/कारखानों/विभागों की वेबसाइट का अद्यतन होना आवश्यक है। जब कभी वेबसाइट पर कोई भी सामग्री अपलोड की जाती है तो यह निश्चित किया जाए कि वह सामग्री दोनों ही भाषाओं में अपलोड की जा रही है।

बैठक में अधिकारियों के लिए एक राजभाषा प्रश्न-मंच का आयोजन भी किया गया, जिसमें प्रश्नों के सही उत्तर देने वाले अधिकारियों को पुरस्कृत किया गया। पश्चिम रेलवे में जुलाई से सितंबर-2025 के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन में हुई प्रगति संबंधी आंकड़े समिति की सदस्य सचिव श्रीमती सुनीता अहिरे द्वारा प्रस्तुत किए गए।

पश्चिम रेलवे क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की इस बैठक में पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक श्री कुलदीप कुमार जैन, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (सड़क संरक्षा परियोजनाएं) श्री अमित कुमार मनुवाल, प्रमुख वित्त सलाहकार श्रीमती ऋचा खरे, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक श्री विद्याधर अविनाश मालेगांवकर, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्रीमती मंजुला सक्सेना, श्री अमित गुप्ता, प्रमुख मुख्य इंजीनियर, श्री रजनीश कुमार, प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक, उप महाप्रबंधक (सामान्य) श्री उज्ज्वल देव, सचिव/पश्चिम रेलवे श्री सचिन अशोक शर्मा सहित सभी मंडलों के अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं सभी कारखानों के मुख्य कारखाना प्रबंधक आदि अधिकारी उपस्थित थे।

'पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक की अध्यक्षता करते हुए तथा हिंदी निबंध, वाक और टिप्पण प्रतियोगिताओं में विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान करते हुए।'

भोपाल को मिली बड़ी सौगात, बनेगा डॉ एपीजे अब्दुल कलाम सिम्युलेटरी स्पेस सेंटर- मंत्री कृष्णा गौर

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल को विज्ञान और युवाओं के भविष्य से जुड़ी एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है। प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (ढटखश्ड) के अंतर्गत भोपाल में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सिम्युलेटरी स्पेस सेंटर की स्थापना का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा जा रहा है। यह जानकारी पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने शुक्रवार को विंध्याचल भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी।

राज्यमंत्री गौर ने बताया कि यह प्रस्ताव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के समन्वय से तैयार किया गया है। प्रस्तावित स्पेस सेंटर का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को स्पेस टेक्नोलॉजी, वैज्ञानिक सोच और नवाचार से जोड़ना है, ताकि वे अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित हो सकें।

जीरो ग्रेविटी का अनुभव, मिसाइल-सैटेलाइट विकास का प्रदर्शन

मंत्री गौर ने बताया कि सिम्युलेटरी स्पेस सेंटर में मिसाइल और सैटेलाइट के क्रमिक विकास से जुड़े डिजाइनों और मॉडलों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके साथ ही एक विशेष अधोसंरचना विकसित की जाएगी, जहां जीरो ग्रेविटी वातावरण में स्पेस स्टेशन का सिम्युलेटरी अनुभव कराया जाएगा। इस अनुभव के माध्यम से विद्यार्थी यह प्रत्यक्ष रूप से समझ सकेंगे कि अंतरिक्ष यात्री उपग्रहों और स्पेस स्टेशन के भीतर किस प्रकार रहते और कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि यह केंद्र प्रदेश में विज्ञान शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा।

ओबीसी और अल्पसंख्यक युवाओं के लिए बड़ा अवसर

राज्यमंत्री गौर ने कहा कि यह नवाचार विशेष रूप से उन युवाओं के लिए उपयोगी होगा, जो अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति जिज्ञासु हैं, लेकिन संसाधनों और मार्गदर्शन के अभाव में आगे नहीं बढ़ पाते। सरकार ओबीसी और अल्पसंख्यक वर्ग के शैक्षणिक और सामाजिक उन्नयन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और यह केंद्र उसी दिशा में एक ठोस कदम है।

'शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना-2025' से सुरक्षा बलों तक रास्ता

पत्रकार वार्ता में राज्यमंत्री ने अत्यंत पिछड़ा वर्ग के युवाओं के लिए प्रस्तावित 'शौर्य संकल्प प्रशिक्षण योजना-2025' की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत हर वर्ष लगभग 4000 युवाओं को आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण उन्हें सेना, अर्धसैनिक बल, पुलिस, होमगार्ड और निजी सुरक्षा एजेंसियों में भर्ती के लिए तैयार करेगा। योजना के अंतर्गत शारीरिक प्रशिक्षण के साथ-साथ सैद्धांतिक मार्गदर्शन भी दिया जाएगा, जिससे युवाओं में अनुशासन, राष्ट्रप्रेम और कर्तव्यबोध का विकास हो सके।

आदर्श छात्रावास, पहली बार मेस सुविधा

राज्यमंत्री गौर ने बताया कि प्रदेशभर में ओबीसी छात्रावासों को आदर्श छात्रावास के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन छात्रावासों में जिम, वाचनालय, पुस्तकालय, वाई-फाई, कंप्यूटर कक्ष और खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

इस उन्नयन कार्य पर करीब 16 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विभाग बनने के बाद पहली बार छात्रावासों में निशुल्क और गुणवत्तापूर्ण भोजन (मेस सुविधा) शुरू की जा रही है, जिसका शुभारंभ 26 जनवरी को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कर कमलों से होने की संभावना है।

रिकॉर्ड छात्रवृत्ति वितरण, विदेश तक अवसर

राज्यमंत्री ने जानकारी दी कि पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत साढ़े सात लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति वितरित की जा चुकी है। इसके अलावा विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना को पारदर्शी बनाकर हर वर्ष 50 विद्यार्थियों को लाभ दिया जा रहा है।बेरोजगार युवाओं को जापान और जर्मनी में रोजगार दिलाने की पहल भी की जा रही है। उन्होंने बताया कि सोशल इम्पैक्ट बॉन्ड के तहत आगामी समय में लगभग 600 युवाओं को विदेश भेजने की योजना है।

विमुक्त और घुमंतू समुदायों के लिए विशेष अभियान

राज्यमंत्री गौर ने बताया कि विमुक्त, घुमंतू एवं अर्ध-घुमंतू समुदायों के लिए जन अभियान परिषद के माध्यम से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इन समुदायों की गणना तीन माह के भीतर पूरी की जाएगी, ताकि योजनाओं का लाभ लक्षित और प्रभावी रूप से पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल करने वाला मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य है।

विकसित और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की दिशा

पत्रकार वार्ता के अंत में राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि डॉ. कलाम सिम्युलेटरी स्पेस सेंटर जैसे नवाचार और शौर्य संकल्प जैसी योजनाओं के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को विज्ञान, सुरक्षा और राष्ट्रनिर्माण की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि यही प्रयास विकसित और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की दिशा तय करेंगे।

भारतीय रेलवे ने 2025 में त्योहारों और यात्राओं के दौरान सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए 43,000 से अधिक विशेष ट्रेन यात्राएं संचालित कीं

महा कुंभ के लिए 17,340, होली के लिए 1,144, गर्मियों की छुट्टियों के दौरान 12,417 और छठ पूजा के लिए 12,383 विशेष रेल यात्राएं संचालित की गईं

(जीएनएस)।

भारतीय रेलवे ने प्रमुख धार्मिक आयोजनों और यात्राओं के पीक सीजन के दौरान बड़ी संख्या में विशेष ट्रेन सेवाएँ संचालित कर यात्रियों की सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक कदम उठाए। ये पहल बढ़ती यात्री मांग को पूरा करने और देशभर में निर्बाध संपर्क उपलब्ध कराने के प्रति रेलवे की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। वर्ष 2025 में विशेष ट्रेन परिचालन को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया गया, जो बेहतर योजना और यात्रियों की सुविधा पर पहले से अधिक मजबूत फोकस को रेखांकित करता है।

वर्ष 2025 के दौरान भारतीय रेलवे ने महा कुंभ के लिए अपने सबसे बड़े विशेष ट्रेन अभियानों में से एक का संचालन किया। 13 जनवरी से 28 फरवरी 2025 के बीच तीर्थयात्रियों की अत्यधिक संख्या की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए 17,340 विशेष ट्रेन यात्राएँ संचालित की गईं। इसी तरह, होली 2025 के अवसर पर 1 मार्च से 22 मार्च 2025 के बीच 1,144 विशेष ट्रेन यात्राएँ संचालित की गईं, जो होली 2024 की तुलना में लगभग दोगुनी थीं। इससे यात्रियों को बेहतर उपलब्धता मिली और त्योहार के दौरान यात्रा अधिक सहज और सुव्यवस्थित रही।

समर ट्रैवल सीजन, 2025 यानि गर्मी की छुट्टियों के दौरान, जो 1 अप्रैल से 30 जून तक रहा, यात्रियों की बढ़ी हुई आवाजाही को ध्यान में रखते हुए 12,417 समर स्पेशल ट्रेन यात्राओं का संचालन किया गया, जिससे छुट्टियों के पीक महीनों में भी उच्च स्तर की सेवा बनाए रखी जा सकी। इसके अलावा, छठ पूजा 2025 के लिए विशेष इंतजामों को और मजबूत किया गया। 1 अक्टूबर से 30 नवंबर 2025 के बीच 12,383 विशेष ट्रेन यात्राएँ चलाई गईं, जो पिछले वर्ष की तुलना में एक उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है।

साल 2025 में किए गए ये विस्तारित इंतजाम 2024 में तैयार किए गए मजबूत परिचालन आधार पर आधारित थे। 30 जनवरी से 11 मार्च 2024 के बीच संचालित आस्था स्पेशल सेवाओं के दौरान तीर्थयात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए 326 विशेष सर्कुलर ट्रेन यात्राएँ चलाई गईं थी। इसी तरह, होली 2024 के अवसर पर 12 मार्च से 2 अप्रैल 2024 के बीच त्योहारों के दौरान बढ़ने वाली भीड़ को संभालने के लिए भारतीय रेलवे ने 604 विशेष ट्रेन यात्राओं का संचालन किया था।

गर्मियों की छुट्टियों 2024 के दौरान 12,919 समर स्पेशल ट्रेन यात्राएँ संचालित की गईं थी। वहीं, छठ पूजा 2024 के लिए 1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2024 के बीच 7,990 विशेष ट्रेन यात्राओं का संचालन किया गया था।

वर्ष 2025 में विशेष ट्रेन परिचालन में हुई उल्लेखनीय वृद्धि यह दर्शाती है कि भारतीय रेलवे यात्रियों की सुविधा, प्रभावी भीड़ प्रबंधन और अधिक मांग वाले समय में विश्वसनीय तथा सुचारु यात्रा व्यवस्था सुनिश्चित करने के प्रति लगातार प्रतिबद्ध है।

ग्लोबल सीमेंट एंड कंक्रीट एसोसिएशन इंडिया-एनसीबी कार्बन अपटेक रिपोर्ट जारी

राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन निर्माण सामग्री परिषद के 63वें स्थापना दिवस पर ग्लोबल सीमेंट एंड कंक्रीट एसोसिएशन इंडिया-एनसीबी कार्बन अपटेक रिपोर्ट जारी की गई

जिप्सम बोर्ड परीक्षण और सूक्ष्म-लक्षण वर्णन प्रयोगशालाओं का उद्घाटन किया गया

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन निर्माण सामग्री परिषद (एनसीबी) के 63वें स्थापना दिवस के अवसर पर ग्लोबल सीमेंट एंड कंक्रीट एसोसिएशन (जीसीसीए) इंडिया-एनसीबी कार्बन अपटेक रिपोर्ट जारी की गई। इस अवसर पर उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) की आर्थिक सलाहकार सुश्री उर्मिला, आईईएस और केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के विशेष महानिदेशक श्री मोहम्मद कमाल अहमद ने जिप्सम बोर्ड परीक्षण प्रयोगशाला और सूक्ष्म-लक्षण वर्णन प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम एनसीबी के महानिदेशक डॉ. एल.पी. सिंह की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

जिप्सम बोर्ड उद्योग की गुणवत्ता आश्वासन और मानकीकरण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जिप्सम बोर्ड परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना की गई है। इस संदर्भ में यह उल्लेख किया गया है कि जिप्सम आधारित भवन निर्माण सामग्री (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश, 2024 को डीपीआईआईटी द्वारा वर्ष 2024 में अधिसूचित किया गया था। सूक्ष्म-लक्षण वर्णन प्रयोगशाला सीमेंटयुक्त और निर्माण सामग्री की विस्तृत जांच के लिए उन्नत विश्लेषणात्मक सुविधाओं से सुसज्जित है।

सुश्री उर्मिला ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास, गुणवत्ता आश्वासन और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में एनसीबी के निरंतर योगदान की सराहना की, जिसने सीमेंट क्षेत्र की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग दिया है। अपने संबोधन में, सीपीडब्लू के विशेष महानिदेशक श्री मोहम्मद कमाल अहमद ने एनसीबी के अनुसंधान और विकास प्रयासों के माध्यम से भारत में टिकाऊ निर्माण को बढ़ावा देने के लिए उसकी प्रशंसा की।

जीसीसीए इंडिया-एनसीबी की "कंक्रीट द्वारा कार्बन अपटेक" पर रिपोर्ट में भारतीय संदर्भ में कंक्रीट में काबोर्नेशन के माध्यम से कार्बन डाईऑक्साइड अवशोषण के आकलन को रेखांकित किया गया है।

यह रिपोर्ट एनसीबी और ग्लोबल सीमेंट एंड कंक्रीट एसोसिएशन (जीसीसीए), इंडिया के संयुक्त प्रयास से तैयार की गई है और आईवीएल स्वीडिश पर्यावरण अनुसंधान संस्थान की टियर-1 पद्धति पर आधारित है। इसमें बताया गया है कि सीमेंट उद्योग कुल मानवजनित उत्सर्जन में लगभग 7 प्रतिशत का योगदान देता है और चूना पत्थर के कैल्सीनेशन से उत्पन्न प्रक्रिया-संबंधी कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन के कारण इसे एक ऐसा सेक्टर माना जाता है जिसमें कमी लाना कठिन है।

इस रिपोर्ट में आंकड़ों की विश्वसनीयता बढ़ाने, अनुमान लगाने की पद्धतियों को परिष्कृत करने और राष्ट्रीय सतत विकास एवं जलवायु रिपोर्टिंग ढांचों में कार्बन अवशोषण को एकीकृत करने के उद्देश्य से भविष्य की कार्रवाइयों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। इसे भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को संयुक्त राष्ट्र वित्तीय परिषद (यूएनएफसीसीसी) को भेजे जाने वाले राष्ट्रीय संचार (एनएटीसीओएम) में कार्बन सिंक के रूप में शामिल करने हेतु विचार के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

एनसीबी के बारे में:

राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन निर्माण सामग्री परिषद (एनसीबी) भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के प्रशासनिक नियंत्रण में स्थित एक सर्वोच्च अनुसंधान एवं विकास संगठन है। एनसीबी सीमेंट, संबद्ध भवन निर्माण सामग्री और निर्माण क्षेत्र के लिए अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास एवं हस्तांतरण, शिक्षा और औद्योगिक सेवाओं के लिए समर्पित है।

भारतीय रेलवे ने अगले 5 वर्षों में प्रमुख शहरों ट्रेन क्षमता दोगुना करने की योजना बनाई

बढ़ती यात्री मांग को पूरा करने, भीड़भाड़ कम करने और राष्ट्रव्यापी कनेक्टिविटी में सुधार के लिए प्रमुख शहरों में कोचिंग टर्मिनलों का विस्तार: श्री अश्विनी वैष्णव

व्यस्त स्टेशनों पर यातायात को सुगम बनाने हेतु क्षमता वृद्धि के लाभ प्राप्त करने के लिए जोनों से अल्पकालिक एवं मध्यम अवधि के कदमों की मांग

(जीएनएस)।

यात्रा की मांग में तीव्र और निरंतर वृद्धि को देखते हुए अगले 5 वर्षों में प्रमुख शहरों से प्रारंभ होने वाली नई ट्रेनों की क्षमता को वर्तमान स्तर से दोगुना करने की आवश्यकता है। आने वाले वर्षों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वर्तमान अवसंरचना को बढ़ाना आवश्यक है। वर्ष 2030 तक प्रारंभिक क्षमता को दोगुना करने के कार्यों में निम्नलिखित गतिविधियां शामिल होंगी:

- मौजूदा टर्मिनलों को अतिरिक्त प्लेटफार्मों, स्टेबलिंग लाइनों, पिट लाइनों और पर्याप्त शंटिंग सुविधाओं के साथ बढ़ाना।
- शहरी क्षेत्र में और उसके आसपास नए टर्मिनलों की पहचान करना और उनका निर्माण करना।
- रखरखाव सुविधाएं, जिनमें मेगा कोचिंग कॉम्प्लेक्स शामिल हैं।
- विभिन्न स्थानों पर बढ़ी हुई ट्रेनों के संचालन को संभालने के लिए यातायात सुविधा कार्यों, सिग्नलिंग उन्नयन और आवश्यक मल्टीट्रैकिंग के माध्यम से सेक्शन क्षमता में वृद्धि करना।

टर्मिनलों की क्षमता बढ़ाने की योजना बनाते समय, टर्मिनलों के आसपास के स्टेशनों को भी ध्यान में रखा जाएगा ताकि क्षमता का संतुलन समान रूप से बना रहे। उदाहरण के लिए, पुणे के मामले में, पुणे स्टेशन पर प्लेटफार्मों और स्टेबलिंग लाइनों को बढ़ाने के साथ-साथ हडपसर, खड़की और आलंदी स्टेशनों को भी क्षमता वृद्धि के लिए शामिल किया गया है।

ये काम उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों प्रकार के यातायात के लिए की जाएगी, जिसमें दोनों खंडों की अलग-अलग आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जाएगा। 48 प्रमुख शहरों की एक व्यापक योजना नीचे सूचीबद्ध स्टेशनों के लिए योजना निदेशालय को प्रस्तुत की जाएगी। इस योजना में समयद्ध तरीके से ट्रेनों के संचालन की क्षमता को दोगुना करने के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु नियोजित, प्रस्तावित या पहले से स्वीकृत कार्यों का विवरण शामिल होगा।

यद्दिप क्षमता को दोगुना करने का लक्ष्य 2030 तक का है, फिर भी यह अपेक्षा की जाती है कि अगले 5 वर्षों में क्षमता को क्रमिक रूप से बढ़ाया जाएगा, ताकि क्षमता वृद्धि के लाभ तुरंत प्राप्त किए जा सकें। इससे आने वाले वर्षों में यातायात की आवश्यकताओं को चरणबद्ध तरीके से पूरा करने में सहायता मिलेगी। योजना में कार्यों को तीन श्रेणियों- तत्काल, अल्पकालिक और दीर्घकालिक- में वर्गीकृत किया जाएगा।

केन्द्रीय रेलवे, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, "हम बढ़ती यात्री मांग को पूरा करने और भीड़-भाड़ को कम करने के लिए विभिन्न शहरों में कोचिंग टर्मिनल का विस्तार कर रहे हैं, सेक्शनल और ऑपरेशनल क्षमताओं को बढ़ा रहे हैं। यह कदम हमारे रेलवे नेटवर्क को उन्नत करेगा और देशव्यापी संपर्क में सुधार लाएगा।"

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज 'वीर बाल दिवस' के पावन अवसर पर लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर पवित्र श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के दिव्य स्वरूप का श्रद्धापूर्वक स्वागत किया तथा इस अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में सहभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने 'वीर बाल दिवस' एवं साहिब श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित किया और चित्रकला प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री जी ने गुरु परंपरा, त्याग एवं बलिदान के महान संदेश को नमन करते हुए सिख बंधुओं के साथ लंगर छककर समरसता और सेवा भाव का संदेश दिया।

केंद्रीय मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने उपभोक्ता सुरक्षा और उत्पाद गुणवत्ता बढ़ाने हेतु अगरबत्तियों के लिए भारतीय मानक ब्यूरो का नया मानक जारी किया

(जीएनएस)।

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) का भारतीय मानक आईएस 19412:2025 - अगरबत्ती - विनिर्देशन जारी किया। यह मानक राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस 2025 के अवसर पर नई दिल्ली के भारत मंडपम में जारी किया गया।

नए अधिसूचित मानक में अगरबत्तियों में कुछ कीटनाशक रसायनों और कृत्रिम सुगंधित पदार्थों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है , जो मानव स्वास्थ्य, घर के अंदर की वायु गुणवत्ता और पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए, आईएस 19412:2025 में अगरबत्तियों में उपयोग के लिए प्रतिबंधित पदार्थों की सूची दी गई है। इसमें एलेथ्रिन, परमेथ्रिन, साइपरमेथ्रिन, डेल्टामेथ्रिन और फिप्रोनिल जैसे कुछ कीटनाशक रसायन , साथ ही बेंजाइल साइनाइड, एथिल एक्रिलेट और डाइफेनिलामाइन जैसे कृत्रिम सुगंधित पदार्थ शामिल हैं। इनमें से कई पदार्थ मानव स्वास्थ्य, घर के अंदर की वायु गुणवत्ता और पारिस्थितिकी की सुरक्षा पर संभावित प्रभाव के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित हैं।

उपभोक्ता सुरक्षा, घर के अंदर की हवा की गुणवत्ता, पर्यावरणीय स्थिरता और नियामक अनुपालन साथ ही वैश्विक स्तर पर कुछ सुगंधित यौगिकों और रसायनों पर लगे प्रतिबंधों को देखते हुए—अगरबत्तियों के लिए भारतीय मानक की आवश्यकता पर बल दिया गया है। यह मानक अगरबत्ती को मशीन से बनी, हाथ से बनी और पारंपरिक मसाला अगरबत्तियों में वर्गीकृत करता है, और कच्चे माल, जलने की गुणवत्ता, सुगंध प्रदर्शन और रासायनिक मापदंडों के लिए आवश्यकताएं निर्धारित करता है, जिससे उपभोक्ताओं के लिए सुरक्षित उत्पाद और एकसमान गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके।

इस मानक के अनुरूप उत्पाद बीआईएस मानक चिह्न प्राप्त करने के पात्र होंगे , जिससे उपभोक्ता सोच-समझकर निर्णय ले सकेंगे। आईएस 19412:2025 की अधिसूचना से उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ने, नैतिक और टिकाऊ विनिर्माण प्रक्रियाओं को बढ़ावा मिलने, पारंपरिक आजीविका की रक्षा होने और भारतीय अगरबत्ती उत्पादों की वैश्विक बाजार तक पहुंच बढ़ने की उम्मीद है।

यह मानक बीआईएस की सुगंध एवं स्वाद अनुभागीय समिति (पीसीडी 18) द्वारा हितधारक परामर्श के माध्यम से तैयार किया गया है। सीएसआईआर-केंद्रीय औषधीय एवं सुगंधित पादप संस्थान (सीआईएमएपी), सीएसआईआर-भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान (आईआईटीआर), सीएसआईआर-केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआर), कन्नौज स्थित सुगंध एवं स्वाद विकास केंद्र (एफएफडीसी) और अखिल भारतीय अगरबत्ती निमार्ता संघ जैसे संस्थानों के विशेषज्ञों ने इस मानक को तैयार करने में योगदान दिया है।

भारत विश्व में अगरबत्ती का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है। इस उद्योग का वार्षिक अनुमानित मूल्य लगभग 8,000 करोड़ रुपये है और लगभग 1,200 करोड़ रुपये का निर्यात 150 से अधिक देशों को किया जाता है। यह क्षेत्र कारीगरों, लघु एवं मध्यम उद्यमों और सूक्ष्म उद्यमियों के एक बड़े समूह विशेष रूप से महिलाओं के लिए ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, रोजगार के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

अगरबत्ती भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं का अभिन्न अंग है और घरों, पूजा स्थलों, ध्यान केंद्रों तथा स्वास्थ्य केंद्रों में इसका उपयोग किया जाता है। योग, ध्यान, अरोमाथेरेपी और समग्र स्वास्थ्य में बढ़ती वैश्विक रुचि के साथ, घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में अगरबत्ती उत्पादों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

किराना स्टोर चोरी का 24 घंटे में खुलासा, शातिर चोर गिरफ्तार

(जीएनएस)।

पीलीभीत,पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के सख्त निर्देशों पर थाना अमरिया पुलिस ने किराना स्टोर में हुई चोरी की घटना का मात्र 24 घंटे में सफल अनावरण कर लिया। शातिर चोर को चोरी की शतप्रतिशत धनराशि 1,00,600 रुपये, नाजायज तमंचा और कारतूस सहित गिरफ्तार कर लिया गया।जानकारी के अनुसार, थाना अमरिया क्षेत्र में एक किराना स्टोर से

चोरों ने बड़ी राशि और सामान पर हाथ साफ कर दिया था। एसपी के निर्देशन में अमरिया थाना पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की और विभिन्न सुरागों के आधार पर चोर तक पहुंच गई। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।एसपी पीलीभीत ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और जनता से अपील की है कि संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पुलिस को दें। इस सफलता से क्षेत्रवासियों में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है।

डीएम ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों संग ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का विस्तृत निरीक्षण किया

(जीएनएस)।

पीलीभीत,जिला मजिस्ट्रेट पीलीभीत ने आज विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम तथा वीवीपैट वेयरहाउस का सघन निरीक्षण दौरा किया। इस निरीक्षण में वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, मशीनों की तकनीकी स्थिति, सीसीटीवी कवरेज, सीलिंग प्रक्रिया तथा अन्य प्रबंधों का बारीकी से जायजा लिया गया। संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा मानकों को और सख्त करने तथा पारदर्शिता सुनिश्चित करने के स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए।निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी को पूरी तरह पुख्ता करना था। डीएम

ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वेयरहाउस में ईवीएम-वीवीपैट मशीनों की 24 घंटे निगरानी सुनिश्चित की जाए, प्रवेश द्वारों पर सख्त पहरेदारी हो तथा किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ से बचाव के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय अपनाए जाएं। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि यह पारदर्शी प्रक्रिया चुनावी विश्वास को मजबूत करेगी।इस निरीक्षण से न केवल चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी बल्कि सभी हितधारकों का विश्वास भी गहराएगा। डीएम ने साफ शब्दों में कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित होगी। जिला प्रशासन ने बताया कि इसी प्रकार के निरीक्षण भविष्य में भी जारी रहेंगे।

किशोर ने की आत्महत्याः डेयरी कर्मचारी का शव फंदे पर लटका मिला, पुलिस जांच में जुटी

(जीएनएस)।

पीलीभीत,थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के मोहल्ला नई बस्ती में एक दर्दनाक घटना ने पूरे इलाके को सन्नाटे में डुबो दिया। 16 वर्षीय किशोर प्रिंस मौर्य ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। डेयरी पर मजदूरी करने वाले इस किशोर की मौत से परिजनों और पड़ोसियों में शोक की लहर दौड़ गई है।मृतक प्रिंस के पिता रामचरण मौर्य का पहले ही निधन हो चुका था। प्रिंस अपने बड़े भाई हरचरण के साथ शहर के लीची बाग स्थित डेयरी पर काम करता था। गुरुवार शाम वह रोजाना की तरह काम निपटा कर घर लौटा था। रात करीब 8 बजे घर पहुंचने के बाद वह सामान्य दिख रहा था। जब रात 10

बजे हरचरण काम से लौटा, तो उसने प्रिंस को घर के अंदर रस्सी के फंदे से लटका हुआ देखा। भाई की चीख-पुकार सुनकर मां गंगादेई और अन्य परिजन दौड़े। खबर फैलते ही आसपास के लोग भी जमा हो गए।सूचना पाकर थाना सुनगढ़ी प्रभारी निरीक्षक नरेश त्यागी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर पंचनामा किया और पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। परिजनों ने बताया कि प्रिंस शांत स्वभाव का था और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियां संभाल रहा था। उन्हें आत्महत्या का कोई कारण नहीं पता। फिलहाल पुलिस इसे आत्महत्या का मामला मान रही है, लेकिन हर संभावित पहलू की जांच की जा रही है।थाना प्रभारी नरेश त्यागी ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट होगी। परिजनों से गहन पूछताछ जारी है और डेयरी सहित अन्य स्थानों पर भी तफ्तीश हो रही है। इस घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है।

ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा रहा रेलवे का खाली समय स्लॉटः सुबह 5 से 11 बजे तक तहसील-जिला मुख्यालय के लिए कोई ट्रेन नहीं

(जीएनएस)।

पीलीभीत।सेहरामऊ क्षेत्र के जोगराजपुर रेलवे स्टेशन से तहसील और जिला मुख्यालय जाने वाले यात्रियों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं।

सुबह 5:00 बजे के बाद से 11:00 बजे तक कोई ट्रेन न चलने से वकीलों, व्यापारियों,छात्रों और सैकड़ों ग्रामीणों को रोजमर्रा की जिंदगी में भारी असुविधा झेलनी पड़ रही है।

इस समस्या को हल करने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों ने केंद्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद जितिन प्रसाद को पत्र लिखकर सुबह 8 बजे के आसपास मैलानी जंक्शन से बरेली जंक्शन तक पैसेंजर ट्रेन चलाने की जोरदार मांग की है।

क्षेत्रीय लोगों के अनुसार, वर्तमान ट्रेन शेड्यूल बेहद अपर्याप्त है। मैलानी जंक्शन से पहली पैसेंजर ट्रेन सुबह करीब 5:20 बजे चलती है, जो अंधेरे और ठंड के मौसम में अधिकांश लोगों

के लिए व्यावहारिक नहीं है।

इसके बाद अगली ट्रेन सीधे सुबह 10:40 या 11:00 बजे के आसपास उपलब्ध होती है।

इस 5 से 6 घंटे के खाली समय स्लॉट के कारण पीलीभीत जिले के वकील अदालत में समय पर नहीं पहुंच पाते, व्यापारी बाजार खोलने में देरी करते हैं और छात्र स्कूल-कॉलेज लेट हो जाते हैं।

एक स्थानीय वकील ने बताया, "अदालत की सुनवाई सुबह 10 बजे शुरू हो जाती है, लेकिन ट्रेन न मिलने से हम दोपहर तक पहुंचते हैं, जिससे केस प्रभावित होते हैं।"सड़क मार्ग पर भी निर्भरता मुश्किल

ग्रामीण इलाकों में सड़क सुविधा भी बेहद सीमित है।

सेहरामऊ, जोगराजपुर, कुरैया, दुधिया खुर्द और उदयपुर हाल्ट जैसे स्टेशनों से राष्ट्रीय राजमार्ग तक की दूरी 8 से 10 किलोमीटर है। खराब सड़कों और सीमित बस सेवाओं के कारण रेल ही एकमात्र भरोसेमंद साधन बची है।

"यह ट्रेन चलने से कम से कम 5-10 हजार ग्रामीणों को सीधी लाभ मिलेगा। रेल मंत्रालय को इस पर शीघ्र ध्यान देना चाहिए।

"शिकायती पत्र भेजने वालों में प्रमुख नाम हैं-

दिनेश कुमार श्रीवास्तव, राजेश गुप्ता, मनीष त्रिपाठी, डॉ. मोहित वर्मा, प्रभास मिश्रा, राम प्रकाश गुप्ता, चेतराम, नेतराम, जेठालाल, रामचंद्र, बाराती गुप्ता, राजाराम, चंद्र प्रकाश, श्याम किशोर दीक्षित, राहुल गुप्ता आदि।

अब सभी की नजरें केंद्र सरकार और रेल मंत्रालय के फैसले पर टिकी हैं। कब ग्रामीणों को सुबह की सुविधाजनक ट्रेन मिलेगी, यह सवाल अनुत्तरित है।

शिक्षक की हैवानियत सिख समुदाय छात्रा का धर्मांतरण कर यौन शोषण बंधक बनाकर दुष्कर्म, आरोपी शिक्षक गिरफ्तार

(जीएनएस)।

पीलीभीत,पूरनपुर क्षेत्र में एक निजी स्कूल के शिक्षक दिलनवाज ने अपनी सिख समुदाय की छात्रा को प्रेमजाल में फंसाकर वर्षों तक यौन शोषण किया। आरोपी ने छात्रा का धर्मांतरण कराने का प्रयास किया और उसे बंधक बनाकर रखा, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

- घटना का विवरण

आरोपी दिलनवाज, जो सेहरामऊ उत्तरी के रायबिचपुरी गांव का रहने वाला है, 2020 तक पूरनपुर के एक स्कूल में भौतिक विज्ञान पढ़ाता था। उसने कक्षा 10 की छात्रा को प्रभावित कर शादी का झांसा दिया और नाबालिग अवस्था से ही शारीरिक शोषण शुरू कर दिया। छात्रा को कुरान पढ़ने और नमाज अदा करने के लिए मजबूर किया गया।

दिलनवाज खान
आरोपी टीचर

- बंधक बनाने की वारदात

16 दिसंबर को छात्रा लापता हो गई, जिसकी रिपोर्ट 18 दिसंबर को दर्ज हुई। पुलिस ने कॉल डिटेल जांचने पर पाया कि आरोपी से सबसे ज्यादा संपर्क था, जिसके बाद पूरनपुर के एक सुनसान कमरे से छात्रा को बरामद किया गया। तीन-चार दिनों तक उसे बंधक रखा गया, जहां सिर्फ नमकीन-बिस्कुट खाने को मिले; आरोपी दिन में स्कूल जाता और रात में आता।

- पुलिस कार्रवाई

माधोटांडा इंस्पेक्टर अशोक पाल के नेतृत्व में आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पीड़िता के बयान पर दुष्कर्म, ढडउरड एक्ट, जबरन धर्मांतरण प्रतिषेध अधिनियम, अपहरण व बंधक बनाने की धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ। क्षेत्राधिकारी प्रतीक दहिया ने बताया कि आरोपी के मोबाइल रिकॉर्ड और संभावित गिरोह से जुड़ाव की जांच जारी है। स्कूल प्रबंधन ने भी दिलनवाज को बर्खास्त कर दिया।

सरस्वती विद्या मंदिर में मनाया गया वीर बाल दिवस कार्यक्रम।

(जीएनएस)।

पीलीभीत /बीसलपुर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालय के प्रांगण में वीर बाल दिवस मनाया गया। जिसमें नन्हे पांच प्यारो के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बाल स्वयंसेवकों ने नगर में बाल संचालन निकाला।

आज सिख शहीदी सप्ताह के अंतर्गत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने बाल स्वयंसेवकों के बीच गुरु गोविंद सिंह जी के महान बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सह विभाग कार्यवाह श्री भद्रपाल जी ने कहा कि गोविंद सिंह जी के राष्ट्र धर्म हेतु समर्पण जिसमें उन्होंने अपना पूरा परिवार आहुत कर दिया जो सदैव प्रेरणा स्रोत रहेगा। उनके बलिदान से बालकों को अपने राष्ट्र प्रेम हेतु प्रेरणा मिलेगी। इसके बाद आरबीएल पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या परमजीत कौरने गुरु गोविंद सिंह जी के पूरे परिवार के महान बलिदान की गाथा सुनाइए उन्होंने कहा कि जब आक्रांत वजीर खान ने 9 वर्षीय साहिबजादा जोरावर सिंह तथा 6 वर्षीय साहिबजादे फतेह सिंह से कहा कि यदि तुम इस्लाम स्वीकार कर लो तो हम तुम्हें छोड़ देंगे तो उन्होंने तो उन वीर बालकों ने कहा कि हम अपने धर्म से नहीं हटेंगे और क्रूर वजीर खान ने उन वीर मासूम बालकों को जिंदा दीवार में चुनवा दिया पर अपना धर्म नहीं बदला। उद्बोधन के बाद संघ प्रार्थना हुई।

इसके उपरांत बाल संचलन सरस्वती विद्या मंदिर से प्रारंभ होकर मुख्य मार्ग से होता हुआ विद्यालय में समाप्त हुआ बाल संचालन में आगे ध्वज लेकर बालक बालक चल रहे थे जिनके पीछे मार्ग की स्वच्छता करते हुए आरबीएल प्रधानाचार्य का अन्य मातृशक्ति चल रही थी इनके पीछे सुंदर बाल स्वरूप में पंच प्यारे सभी को अभिभूत कर रहे थे। जिनके पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बाल स्वयंसेवक घोष वादन करते हुए कदम से कदम मिलाते समाज को समरसता का संदेश दे रहे थे। कार्यक्रम में नगर संघ चालक तिलक राम जी विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य वीरेन्द्र कुमार, नगर प्रचारक सर्वेश जी जिला सहकार्यवाह राजेशजी, जिला व्यवस्था प्रमुख अंकुर जी नगर कार्यवाह एकांक, मिश्र,सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य हरीश चंद्र शर्मा,आचार्य अमर सिंह,रमेश पाल,वीरेंद्र आदि मौजूद रहे।

भाई ने भाई की हत्या कीःजमीनी झगड़े का खौफनाक अंत

(जीएनएस)।

पीलीभीत,करेली थाना क्षेत्र स्थित लिलहर गांव में एक सगे भाई ने जमीन विवाद के कारण अपने ही भाई की निर्मम हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने शव को घर के निमार्णाधीन कमरे में दफना दिया, लेकिन ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस सक्रिय हो गई।

मृतक हंसराज बीसलपुर का निवासी था, जबकि आरोपी भाई नक्षत्रपाल लिलहर गांव में रहता है। दोनों के बीच लंबे समय से पैतृक जमीन को लेकर तनातनी चल रही थी। पुलिस के अनुसार, हंसराज गांव लौटा तो विवाद भड़क गया, और गुस्से में नक्षत्रपाल ने उसकी हत्या कर शव छिपा दिया।

ग्रामीणों ने शक होने पर करेली थाने को खबर दी। थानाध्यक्ष विपिन शुक्ला और बीसलपुर कोतवाली प्रभारी (उड) टीम के साथ मौके पर पहुंचे। भारी पुलिस बल तैनात है, और शव बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया।

प्रारंभिक जांच के मुख्य बिंदु

- कारणःपैतृक जमीन पर पुराना विवाद।
- घटना स्थलः आरोपी का घर, निमार्णाधीन कमरा।
- आरोपी की स्थितिःनक्षत्रपाल फरार, पुलिस छापेमारी कर रही
- पुलिस कार्रवाईः ऋक्षऋ दर्ज, फॉरेंसिक टीम जांच में जुटी।

थानाध्यक्ष विपिन शुक्ला ने कहा, "जांच में जमीनी विवाद की पुष्टि हुई है। सभी पहलुओं की गहन पड़ताल की जा रही।" यह घटना क्षेत्र में सनसनी फैला रही है, जहां पारिवारिक झगड़े अक्सर हिंसक रूप ले लेते हैं। पुलिस ने ग्रामीणों से सहयोग की अपील की है।

₹5 में भरपेट खाना, सम्मान के साथ जिंदगी की राहत, अटल कैंटीन से लाखों गरीबों को सहारा

(जीएनएस)।

दिल्ली में महंगाई और रोजमर्रा की जद्दोजहद के बीच अब गरीब, मजदूर और गिग वर्कर्स के लिए एक बड़ी राहत सामने आई है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के मौके पर दिल्ली सरकार ने 'अटल कैंटीन योजना' की शुरूआत कर दी है। इस योजना के तहत दिल्ली में अब सिर्फ 5 रुपये में भरपेट, पौष्टिक और सम्मानजनक भोजन मिलेगा। शुरूआती चरण में दिल्ली के 45 इलाकों में अटल कैंटीन शुरू हो चुकी हैं और सरकार का दावा है कि इससे हर दिन एक लाख से ज्यादा लोग लाभान्वित होंगे।

पहले ही दिन अटल कैंटिन में हजारों लोगों ने खाना खाया। दिल्ली के कई इलाकों में अटल कैंटीन शुरू होने के बाद लोगों के चेहरे पर राहत साफ दिखाई दे रही है। दिहाड़ी मजदूर, रिक्शा चालक, डिलीवरी बॉय, घरेलू कामगार और झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोग इस फैसले से खासे खुश हैं।

रेखा गुप्ता की पहल को मिल रही सराहना

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने खुद इस योजना का उद्घाटन किया। उनका कहना है कि यह योजना सिर्फ खाना देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस सोच का विस्तार है जिसमें सरकार आखिरी पंक्ति में खड़े व्यक्ति के साथ खड़ी दिखाई देती है। रेखा गुप्ता ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के सुशासन और गरीब कल्याण की भावना से प्रेरित होकर यह कदम उठाया गया है, ताकि मेहनतकश लोगों को भूखे पेट न सोना पड़े।

रेखा गुप्ता ने 26 दिसंबर को ट्वीट कर कहा, "अटल कैंटीन में सिर्फ ₹5 में पौष्टिक और सम्मानजनक भोजन की व्यवस्था करके हम अपने मेहनतकश श्रमिकों और जरूरतमंद परिवारों के साथ मजबूती से खड़े हैं। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के सुशासन, मानवीय संवेदना और गरीब कल्याण की सोच से प्रेरित यह पहल उस विश्वास को आगे बढ़ाती है कि सरकार की नीतियां सीधे आखिरी व्यक्ति के जीवन को सरल और सम्मानजनक बनाएं।"

45 जगहों पर शुरू, 100 कैंटीन का लक्ष्य

दिल्ली सरकार ने पहले चरण में आरके पुरम, जंगपुरा, शालीमार बाग, ग्रेटर कैलाश, राजौरी गार्डन, नरेला, बवाना जैसे इलाकों समेत कुल 45 स्थानों पर अटल कैंटीन शुरू की हैं।

चेयरमैन प्रतिनिधि सत्यम पांडे नगर पंचायत में अच्छा कार्य करवाने से क्षेत्र की जनता में खुशी की लहर

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र अंतर्गत नगर पंचायत मोहनलालगंज में चेयरमैन प्रतिनिधि सत्यम पांडे द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की क्षेत्रवासियों द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की जा रही है। नगर पंचायत में उनके कार्यकाल के दौरान जिस गति और गुणवत्ता से विकास कार्य हो रहे हैं, वह अन्य नगर पंचायतों के लिए एक मिसाल बनते जा रहे हैं। नगर पंचायत मोहनलालगंज में सड़क, नाली, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, गरीब एवं जरूरतमंद वर्ग के लिए जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने का कार्य प्रभावी ढंग से किया जा रहा है। गरीबों के मसीहा के रूप में पहचाने जा रहे सत्यम पांडे द्वारा सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि जिस प्रकार पूर्व प्रधान स्वर्गीय सुजीत पांडे ने अपने कार्यकाल में सेवा, समर्पण और विकास की मिसाल कायम की थी, उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए उनके पुत्र सत्यम पांडे भी पूरे समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं। गांव-गांव में हो रहे विकास कार्यों से जनता में सकारात्मक संदेश जा रहा है।

ग्रामीणों से बातचीत के दौरान यह भी स्पष्ट हुआ कि जनसेवा और विकास की इस निरंतरता को देखते हुए आने वाले समय में जनता का भरोसा और समर्थन और अधिक मजबूत होने की संभावना है। नगर पंचायत मोहनलालगंज आज विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है, जिसका श्रेय चेयरमैन प्रतिनिधि सत्यम पांडे के कुशल नेतृत्व और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को जाता है।

पंचायत बड़ागांव के प्राथमिक एव उच्च प्राथमिक विद्यालय का किया निरीक्षण

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। खण्ड विकास अधिकारी संदीप कुमार श्रीवास्तव ने शुक्रवार को ग्राम पंचायत बड़ागांव के प्राथमिक एव उच्च प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया तथा पठन पाठन की जानकारी ली।

खण्ड विकास अधिकारी संदीप कुमार श्रीवास्तव ने साफ सफाई का जायजा लिया और लोगो से स्वच्छता अभियान में सहयोग की अपील की बीडीओ ने प्राथमिक एव पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में जाकर शैक्षिक स्तर की गुणवत्ता परखते हुए स्वंय बच्चों की क्लास लेते हुए प्रश्नोत्तर कर बच्चों को शाबाशी दी। श्रीवास्तव ने विद्यालय के किचन में पहुँच कर मिड डे मील में बन रहे भोजन को

चखकर गुणवत्ता परखी तथा विद्यालय के शौचालय का निरीक्षण कर साफ सफाई कराने के निर्देश दिये।

इस मौके पर प्रधानाधयाका कहकशा खान, असफी किदवाई आदि लोग मौजूद रही।